RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई, शनिवार 01 नवंबर 2025 वर्ष 07 अंक 196 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

वाशी स्थित फर्स्ट रेफरल अस्पताल ने रक्त की गंभीर कमी पर चिंता जताई

मुंबई : 2.5 किलोमीटर लंबे मध-वसोर्वा पुल को केंद्र सरकार से हरी झंडी...

मुंबई : मध प्रायद्वीप को वसोर्वा मुख्य भूमि से जोड़ने वाले मध-वसोर्वा पुल को केंद्र सरकार से हरी झंडी मिल गई है। लगभग 2.5 किलोमीटर लंबे और मध क्रीक पर फैले इस केबल-आधारित पुल को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। मध-वसोर्वा पुल को केंद्र से हरी झंडी मूल रूप से 1967 की शहर विकास योजना में परिकल्पित इस परियोजना के लिए निविदाएँ पिछले साल मार्च में जारी की गई थीं और उसी वर्ष सितंबर में कार्य आदेश जारी किया गया था।

2,395 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस पुल के पूरा होने पर, वसोर्वा से मध तक की यात्रा का समय 90 मिनट से घटकर 5 मिनट रह जाएगा, क्योंकि अब वाहन चालकों को मध पहुँचने के लिए लिंक रोड, एसवी रोड या वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे और मालवानी होते हुए 22 किलोमीटर का घुमावदार रास्ता नहीं अपनाना पड़ेगा।

हालाँकि केंद्रीय वन विभाग और महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण, दोनों से अनुमति मिल गई है, लेकिन बॉम्बे उच्च न्यायालय की अंतिम मंजूरी आवश्यक है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और मुंबई उत्तर से सांसद पीयूष गोयल ने अनुमति शीघ्रता से प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गोयल ने कहा, ''मढ़-वसोर्वा पुल आधुनिक इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का एक मील का पत्थर बनने के लिए तैयार है, जो तेज, सुरक्षित और टिकाऊ कनेक्टिविटी प्रदान करेगा जो पूरे मुंबई में आवागमन को बदल देगा।''

मोर्चे के लिए विपक्ष की तैयारी...
हजारों कार्यकर्ता नाशिक से हुए रवाना

मतदाता सूची में अनियमितताओं और गड़बड़ियों का विरोध करने तथा उसमें सुधार की मांग को लेकर शनिवार को महाविकास आघाड़ी और मनसे की ओर से संयुक्त रूप से मुंबई में मोर्चा आयोजित किया गया है. इस मोर्चे में नासिक शहर और जिले से बड़ी संख्या में शिवसेना (ठाकरे गुट), मनसे, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के कार्यकर्ता शनिवार सुबह मुंबई के लिए रवाना होंगे.

यह मोर्चा फैशन स्ट्रीट से निकलेगा और इसमें नासिक, मालेगांव, मनमाड, लासलगांव, निफाड, येवला, सटाणा, दिंडोरी, कळवण, इगतपुरी सहित जिले के अन्य तालुकों से भी कार्यकर्ता शामिल होंगे.

इसके लिए पहले से ही जगह-जगह बैठकें आयोजित की गई हैं, वहीं नाशिक के विभिन्न चौकों पर मोर्चे के फलक (बैनर) लगाए गए हैं. मोर्चे में शामिल होने के लिए हजारों कार्यकर्ता रेल और निजी वाहनों से मुंबई पहुंचेंगे. शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता डी. जी. सूर्यवंशी ने कहा, मुंबई मोर्चे की योजना के लिए पूर्व में बैठक आयोजित की गई थी. इस मोर्चे में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेने जा रहे हैं. इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता सलीम मामा ने कहा, मुंबई में होने वाले इस मोर्चे के लिए जोरदार तैयारी की गई है. बड़ी संख्या में मनसे कार्यकर्ता भाग लेंगे. नासिक से सुबह 8 बजे कार्यकर्ता वाहनों से रवाना होंगे, जबकि मनमाड, लासलगांव, निफाड आदि तालुकों से कार्यकर्ता रेलमार्ग से प्रस्थान करेंगे.

फ्लैट में अचानक आग लग जाने से एक व्यक्ति की मौत!

ठाणे : ठाणे शहर स्थित चार मजली इमारत के एक फ्लैट में बीती रात अचानक आग लग जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई । इस घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और गुरुवार को तडके आग बुझा दिया है। ठाणे पुलिस की टीम फ्लैट में आग लगने के कारणों की छानबीन कर रही है। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी ने गुरुवार को बताया कि बीती रात ठाणे शहर में स्थित एक चार मंजिला इमारत के चौथे मजले पर स्थित फ्लैट में आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को मिली थी। इस सूचना के बाद फायर ब्रिगेड के जवान मौके पर पहुंचे और फ्लैट में आग की लपटों से घिरे सचिन निकम (45) को तत्काल कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में पहुंचाया। लेकिन आज तडके निकम की इलाज के दौरान मौत हो गई।

मुंबई: लापता हुई नाबालिग लड़की रीवा में बरामद

मुंबई: मुंबई से लापता हुई एक नाबालिग लड़की रीवा में बरामद हुई है। मामला तब सामने आया जब लड़की के परिजन उसकी तलाश में रीवा गए। एक पुलिस अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि लड़की को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है, जबकि आरोपी युवक भागने में सफल रहा। सिविल लाइंस थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा ने बताया कि मामला एफआरबी के माध्यम से पुलिस के संज्ञान में आया। नाबालिग लड़की मुंबई में रहती थी और उसके परिजनों ने मुंबई पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुंबई पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। जांच में पता चला कि एक युवक लड़की को बहला-फुसलाकर रीवा ले गया था। लड़की के परिजन उसे लेने रीवा आए थे और वहीं उसे पाया।

ठाणे : जिला अधिकारी कार्यालय परिसर में रिष्ठ लिपिक 35 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार

ठाणे : ठाणे के बालकुम्भ में स्थित रजिस्टार कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक दीपक मधुराव इसल को ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो ने ठाणे जिला अधिकारी कार्यालय परिसर में73 वर्षीय शिकायतकर्ता से 35हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।ब्यूरो ने इसके पहले रिश्वत की राशि लेने वाले दीपक के सहयोगी अजित विठ्ठल कोकमकर को गिरफ्तार किया था बाद में लिपिक दीपक मधुराव इसल को हिरासत में लिया गया।ठाणे ब्यूरो के द्वारा आज बताया गया है कि शिकायतकर्ता की मां ने सन 1987में भायंदर पश्चिम में शांति बिहार नगर के जय लक्ष्मी कॉप सोसायटी के १४५ वर्गफुट की ग्यारह नंबर दुकान क्रय की गई थी।सन 2008 में शासन की अभय योजना के अंतर्गत अनधिकृत सम्पत्ति को शासकीय शुल्क जमा कर अधिकृत करने के लिए सन 2009में असिस्टेंट रजिस्टार ठाणे स्थित कार्यालय में खरीदी के दस्तावेज जमा किए गए थे। परंतु खरीदी के वास्तविक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए ७३ वर्षीय शिकायतकर्ता ने 6अक्टूबर 2025को रजिस्टर कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक दीपक मधुराव इसल से संपर्क करने पर उन्होंने निजी सहायक अजित विठ्ठल कोकमकर से मिलने के लिए कहा था।इसके बाद अजित विठ्ठल कोकमकर ने शिकायतकर्ता के दस्तावेज के पृष्ठ भाग पर 35और 35 हजार सहित कुल सत्तर हजार रुपए देने के लिए कहा था।

शिकायतकर्ता ने इसके बारे में 28अक्टूबर को ही ठाणे ब्यूरो में लिखित सूचना दी थी।इसी बीच वरिष्ठ लिपिक दीपक मधुराव इसल मांगी गई राशि से पांच हजार रुपए रिश्वत कम कर पैसठ हजार रुपए लेने पर तैयार हो गए,और यह राशि दो किस्तों में 35हजार फिर तीस हजार लेना तय किया गया था। आज 30अक्टूबर अक्टूबर 2025को दोपहर दो बजकर 55मिनट पर ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा आयोजित कार्यवाही में वरिष्ठ लिपिक दीपक मधुराव इसल के सहायक अजित विठ्ठल कोकमकर शिकायतकर्ता से 35हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किए गए।इसके तुरंत बाद वरिष्ठ लिपिक दीपक मधुराव इसल को भी ब्यूरो ने गिरफ्तार कर लिया। दोनो के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

कर्ज से परेशान युवक ने की आत्महत्या!
वसोर्वा पुल से लगाई छलांग...

वसई : ऑनलाइन गेमिंग की लत किस कदर जानलेवा होती जा रही है, इसका एक और दुखद घटना सामने आई है। मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित वसोर्वा पुल एक बार फिर एक हताश जिंदगी का अंतस्थल बन गया। ऑनलाइन जुए में लाखों रुपए गंवाने और कर्ज के भारी बोझ से टूट चुके प्रदीप जायसवाल (40) नामक एक व्यक्ति ने पुल से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक प्रदीप जायसवाल ठाणे के घोड़बंदर रोड स्थित बामनोली पाड़ा का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार, प्रदीप को ऑनलाइन गेम खेलने की बुरी लत लग गई थी। इस लत ने उसे इस कदर जकड़ लिया कि जुए में लगातार हारने के बाद उसने कर्ज भी लेना शुरू कर दिया था। परिवार से जुड़े सूत्रों और प्रारंभिक जांच के मुताबिक, प्रदीप जुए में हारे हुए पैसे और ऑनलाइन लिए गए लोन को वापस चुकाने की चिंता से बुरी तरह घिर चुका था। वह गहरे अवसाद (डिप्रेशन) में था।

संपादकीय...

विकास के लिए स्थिरता जरूरी...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

टिकाऊ आर्थिक विकास हासिल करने के लिए हर समय आर्थिक और वित्तीय स्थिरता बनाए रखना एक आवश्यक शर्त है। बहरहाल इसे हासिल करना आसान नहीं है। खासतौर पर विकासशील देशों के लिए ऐसा करना आसान नहीं है। बीते कुछ दशकों में विकासशील देशों में आर्थिक संकट के कई अवसर आए हैं। भारत को वर्ष 1991 में भुगतान संतुलन के संकट का भी सामना करना पड़ा था। बहरहाल समय के साथ हालात बदले हैं और बड़ी संख्या में विकासशील देशों ने अपने नीतिगत ढांचे में बदलाव किया ताकि वे आर्थिक मजबूती बढ़ा सकें। भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को बिजनेस स्टैंडर्ड बीएफएसआई इनसाइट समिट में ऐसी नीतियों के बारे में चर्चा की। ऐसी दुनिया में जहां एक के बाद दूसरा संकट आता ही रहा है, भारतीय नीति निमार्ता वृहद आर्थिक स्थिरता हासिल करने में कामयाब रहे हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को तुलनात्मक रूप से तेज गति से वृद्धि हासिल करने में मदद मिली है। वास्तव में यह बात माननी होगी कि भारत को 1991 के बाद से कभी बाहरी संकट से नहीं जूझना पड़ा है।

भारत के वृहद आर्थिक प्रबंधन के संदर्भ में डॉ. गुप्ता तथा अन्य लोगों ने कुछ अन्य अहम पहलुओं पर भी बात की जिनका यहां जिक्र किया जाना जरूरी है। उन्होंने इस बारे में संकेत दिया कि फिलहाल भारत कहां है और आगे चलकर उसे क्या करना है। उदाहरण के लिए भारत ने एक लचीली विनिमय दर अपनाई है जो मोटे तौर पर बाजार संचालित है। परंतु रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है ताकि अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित किया जा सके जो आमतौर पर अचानक पूंजी की आवक या उसके बाहर जाने से उत्पन्न होती है। उदाहरण के लिए जब बड़े केंद्रीय बैंकों ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में भारी मात्रा में धन डाला और कोविड-19 महामारी के आरंभिक महीनों में नीतिगत ब्याज दरों को करीब शून्य कर दिया था तब भारतीय बाजारों में जबरदस्त पूंजी की आवक देखी गई।

Rokthok Lekhani News Update
WhatsApp group

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : 20 मिनट में पासपोर्ट नवीनीकरण

व्यक्ति के लिए प्रक्रिया आश्चर्यजनक रूप से तेज और सुचारू साबित हुई

मुंबई : पासपोर्ट नवीनीकरण को आमतौर पर समय लेने वाला काम माना जाता है, लेकिन मुंबई के एक व्यक्ति के लिए यह प्रक्रिया आश्चर्यजनक रूप से तेज और सुचारू साबित हुई। सागर अवताड़े ने पासपोर्ट सेवा केंद्र में अपने त्वरित अनुभव का वर्णन करते हुए पर एक पोस्ट साझा की। सागर अवताड़े ने हाल ही में (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने लोअर परेल स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र में अपने बेहद त्वरित अनुभव का वर्णन किया। पोस्ट के अनुसार, अवताड़े ने बताया कि उनका तत्काल अपॉइंटमेंट सुबह 9:15 बजे बुक था और रिपोर्टिंग का समय सुबह 9 बजे था।

समय पर पहुँचकर, उन्होंने पूरी नवीनीकरण प्रक्रिया पूरी की और सुबह 9:20 बजे कार्यालय से बाहर निकल गए। उनकी पोस्ट में लिखा था, ''सुबह 9:15 बजे पासपोर्ट कार्यालय में नवीनीकरण अपॉइंटमेंट के लिए, रिपोर्टिंग का समय सुबह 9 बजे था! 9 बजे रिपोर्ट किया और 9:20 बजे पासपोर्ट सेवा केंद्र से निकल गया, ऐसा लग रहा है जैसे मैं स्वर्ग में हूँ!'' कई भारतीयों के लिए, पासपोर्ट कार्यालय जाने का मतलब अक्सर लंबी कतारों में इंतजार करना, काउंटरों के बीच भटकना और कागजी कार्रवाई में घंटों बिताना होता है। इसलिए कई एक्स उपयोगकताओं को 20 मिनट में पासपोर्ट नवीनीकरण लगभग अविश्वसनीय लगा।

अवताडे के अनुसार, उन्हें पीएसके लोअर परेल में अपने अनुभव की त्वरित और सहजता देखकर सुखद आश्चर्य हुआ, जहाँ उनके पासपोर्ट नवीनीकरण में आधे दिन की अपेक्षा केवल 20 मिनट लगे। 'नया स्टार्टअप': मुंबई का एक व्यक्ति ठफ्क दोस्तों की तस्वीरों के साथ 'डिजिटल गरबा' करते हुए वायरल हुआ लोगों ने इस पोस्ट पर ऐसी प्रतिक्रिया दीः इस पोस्ट पर ऑनलाइन हल्की-फुल्की प्रतिक्रियाएँ आईं और कई उपयोगकताओं ने इस सहज अनुभव की प्रशंसा की। एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, ''उन्होंने न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी एक सेवा में सुधार किया। बहुत सहज और पूरी तरह से डिजिटल।'' एक दूसरे यूजर ने टिप्पणी की, ''कल बेटी के पहले आधार नामांकन के लिए आधार केंद्र गया था, बिना अपॉइंटमेंट के अंदर चला गया और ठीक 8 मिनट में केंद्र से निकल गया। मुझे भी स्वर्ग जैसा महसूस हुआ।'' एक तीसरे यूजर ने टिप्पणी की, ''मुझे याद है 2014 से पहले मैं लोअर परेल गया था और मुझे वहाँ 4 घंटे रुकना पड़ा था।'' एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की, ''यह सबसे बेहतरीन बदलावों में से एक है।'' 29 अक्टूबर, 2025 को शेयर की गई इस पोस्ट ने तुरंत ध्यान खींचा और वायरल हो गई।

वाशी स्थित फर्स्ट रेफरल अस्पताल ने रक्त की गंभीर कमी पर चिंता जताई

नवी मुंबई : नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी) के वाशी स्थित फर्स्ट रेफरल अस्पताल ने रक्त की गंभीर कमी पर चिंता जताई है। अधिकारियों ने बताया कि यह कमी केवल दुर्लभ रक्त समूहों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सभी प्रमुख रक्त समूहों में फैली हुई है। त्योहारों के कारण नवी मुंबई में रक्त संकट शहर के सबसे बड़े नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्त की कमी का असर मरीजों पर पड़ना शुरू हो गया है और उनके परिवारों से इलाज या सर्जरी शुरू करने से पहले रक्तदाताओं का इंतजाम करने को कहा जा रहा है। अस्पताल के बाहर एक मरीज के परिवार के सदस्य ने कहा, ''हमें अपने पिता के ऑपरेशन से पहले रक्तदाताओं को लाने के लिए कहा गया था। यह सोचकर डर लग रहा था कि रक्त की कमी के कारण उनके इलाज में देरी हो सकती है।'' एनएमएमसी के फर्स्ट रेफरल अस्पताल की मेडिकल सोशल वर्कर सरिता खेरवासिया ने बताया कि अस्पताल कई तरह के मरीजों की देखभाल करता है–थैलेसीमिया के मरीज, दुर्घटना के शिकार, कैंसर के मरीज और प्रसूति संबंधी आपात स्थिति–जिन सभी को रक्त की निरंतर आपूर्ति की आवश्यकता होती है। ''त्योहारों की छुट्टियों के कारण, कॉलेज बंद हैं और रक्तदान शिविरों में कमी आई है। इससे रक्त की आपूर्ति में भारी कमी आई है,'' उन्होंने नागरिकों से आगे आकर रक्तदान करने का अनुरोध करते हुए कहा।

स्थानीय नागरिक समूहों और गैर-सरकारी संगठनों से शीघ्र ही आगे आने का आग्रह किया गया है। शिवसेना नवी मुंबई प्रमुख किशोर पाटकर, जिन्होंने रक्तदान अभियानों का समर्थन करने की पहल की है, ने कहा, ''हम अक्सर सोचते हैं कि कोई और रक्तदान करेगा। लेकिन अभी, यह हमारी ज़िम्मेदारी है। अगर हम आगे नहीं आए, तो मरीजों को परेशानी होगी। रक्तदान केवल दयालुता का कार्य नहीं है - यह एक नागरिक कर्तव्य है जो जीवन बचा सकता है।''

मुंबई : 'नमो पर्यटन सूचना एवं सुविधा केंद्र' नरेंद्र मोदी को खुश करने के लिए एक हथकंडा - राज ठाकरे

मुंबई : मनसे प्रमुख राज ठाकरे का दावा है कि चार मराठा किलों पर स्थापित किए जाने वाले 'नमो पर्यटन सूचना एवं सुविधा केंद्र' उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुश करने के लिए एक हथकंडा है। उनका दावा है कि शिवसेना के एक मंत्री के नेतृत्व वाले राज्य पर्यटन विभाग द्वारा शुरू किए गए इन केंद्रों की स्थापना का उद्देश्य मोदी को खुश करना था ताकि शिवसेना प्रमुख शिंदे, जो खुद भी मुख्यमंत्री पद हासिल कर सकें, फिर से मुख्यमंत्री पद हासिल कर सकें। मुंबई, भारत - 30 अक्टूबर 2025: मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025 को मुंबई, भारत के बांद्रा स्थित रंगशारदा सभागार में मनसे पार्टी समर्थकों को संबोधित करते हुए।

ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता रायगढ़, शिवनेरी, राजगढ़ और प्रतापगढ़ किलों पर इन केंद्रों की स्थापना के किसी भी प्रयास का विरोध करेंगे। क्षेत्रीय पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने बुधवार को इस योजना को मंजूरी दी। ठाकरे ने गुरुवार को पार्टी कार्यकताओं के साथ एक बैठक में कहा, ''क्या उनमें जरा भी आत्मसम्मान है? यह एकनाथ शिंदे की पार्टी द्वारा संचालित विभाग है। पर्यटन विभाग छत्रपति शिवाजी महाराज के किलों पर नमो पर्यटन केंद्र स्थापित कर रहा है और उनमें सिर्फ. छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम ही होने चाहिए। वे फिर से मुख्यमंत्री बनने के लिए कितना दंडवत करना चाहते हैं?''

उन्होंने यह भी कहा कि मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी उजागर हो गई है और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे स्वीकार किया है। ठाकरे ने आरोप लगाया, ''हमने सरकार से कहा है कि वह एक साल इंतजार करे, मतदाता सूची को साफ करे और उसके बाद चुनाव कराए। तभी नतीजे सभी को स्वीकार्य होंगे। जब भारत पर क्रिकेट मैच फिक्सिंग के आरोप लगे, तो सभी खिलाड़ियों को हटा दिया गया। यहाँ, चुनाव आयोग द्वारा की गई गड़बड़ी के लिए किसी पर कार्रवाई नहीं हो रही है।''

मुंबई :100 मीटर लंबे कनेक्टर ब्रिज के लिए बीएमसी ने अंधेरी पश्चिम में एसवीपी नगर रोड पर 42 झुग्गी बस्तियों को ढहा दिया

मुंबई : बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने अंधेरी पश्चिम में एसवीपी नगर रोड पर 42 झुग्गी बस्तियों को ढहा दिया ताकि 100 मीटर लंबे कनेक्टर ब्रिज के लिए जमीन साफ की जा सके। यह ब्रिज प्रस्तावित वर्सोवा-भायंदर कोस्टल रोड और वर्सोवा-बांद्रा सी लिंक के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। मुंबई, भारत - 30 अक्टूबर, 2025: गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2025 को मुंबई, भारत में यारी रोड और लोखंडवाला को जोड़ने वाले एक नए पुल के निर्माण के लिए अंधेरी पश्चिम के सिद्धार्थ नगर में 42 झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों को बेदखल किया जा रहा है।

यह पुल, जिसे ''लापता कड़ी'' माना जा रहा है, यारी रोड को लोखंडवाला से जोड़ेगा और जेपी रोड तथा सेवन बंगलोज पर यातायात की भीड़ को कम करेगा, जिससे वर्सोवा निवासियों के लिए यात्रा का समय 30 मिनट से घटकर केवल 10 मिनट रह जाएगा। बीएमसी के पुल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि तोड़फोड़ सरकारी स्वामित्व वाले तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) की जमीन पर हुई। अधिकारी ने बताया, ''जब हमने 2019 में इस जमीन पर पहली बार तोड़फोड़ की थी, तब अतिक्रमण मैंग्रोव बफर जोन में थे। पिछले 30 सालों से उनके अस्तित्व का कोई प्रमाण नहीं है।''

जमीन साफ करने से एक फीडर रोड या पुल के निर्माण का रास्ता साफ होगा, जो आगामी वर्सोवा-भायंदर कोस्टल रोड और मढ़-वर्सोवा लिंक के साथ जुड़ेगा। उन्होंने कहा, ''एसवीपी इलाके में रहने वालों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। इससे जेपी रोड और सेवन बंगलो पर ट्रैफिक का असर कम होगा।'' क्या आप मंगला में रहते हैं? इसे पढ़ने से पहले श्रवण यंत्र न खरीदें एसवीपी रोड का वह हिस्सा जहाँ अतिक्रमण हटाया गया था, एक टी-जंक्शन के रूप में काम करेगा, जिससे ट्रैफिक प्रवाह को सुव्यवस्थित करने के लिए नए प्रवेश और निकास बिंदु उपलब्ध होंगे। अधिकारी ने आगे कहा, ''यह गायब लिंक दो प्रमुख कॉरिडोर - जेपी रोड और एसवीपी रोड - में भीड़भाड़ को कम करेगा और लोखंडवाला और वर्सोवा के बीच यात्रा करने वालों का यात्रा समय 30 मिनट से घटकर 10 मिनट रह जाएगा।''

यह पुल 393 मीटर लंबा होगा और कवठे क्रीक पर फैला होगा। यह यारी रोड और वर्सोवा को सरदार वल्लभभाई पटेल नगर, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स और समर्थ नगर से जोड़ेगा। 100 मीटर लंबा खाड़ी खंड एकल-स्पैन स्टील आर्च के रूप में बनाया जाएगा, जिसमें यारी रोड से 166 मीटर और लोखंडवाला से 117 मीटर की पहुँच सड़कें होंगी। हालांकि, इस तोड़फोड़ के कारण कई परिवार बेघर हो गए हैं।

सायन अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग का विस्तार

मुंबई : सायन अस्पताल में अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बोन मैरो ट्रांसप्लांट) सुविधा का बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा रहा है। बाल रोग विभाग के अंतर्गत बाल रक्तविज्ञान और कैंसर शाखा में यह अत्याधुनिक सेवा शुरू की जा रही है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों को उन्नत और सुलभइलाज उपलब्ध होगा। यह कदम मुंबई सहित देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक उपक्रम माना जा रहा है। बता दें कि सायन अस्पताल में हर साल लगभग 20 अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण किए जाते हैं। इस नए और अत्याधुनिक व्यवस्था से रोजाना 120 तक प्रत्यारोपण हो सकेंगे, जिससे प्रत्यारोपण क्षमता में करीब 400 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस विस्तार से थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, ल्यूकेमिया और एप्लास्टिक एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को समय पर और विश्वस्तरीय इलाज मिल सकेगा। जो उपचार अब तक कई परिवारों के लिए आर्थिक रूप से कठिन थे वह अब उनके पहुंच में होंगे। पूर्व सांसद रहे एकनाथराव गायकवाड़ अर्बन हेल्थ सेंटर में अत्याधुनिक अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण विभाग का निर्माण किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन नवंबर में होगा, जबकि जनवरी 2026 से मरीजों का उपचार शुरू किया जाएगा। यह केंद्र अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है, जहां आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के साथ उच्च जोखिम वाले मरीजों के लिए विशेष सुरक्षा युक्त वार्ड भी बनाए जा रहे हैं।

मुंबई : चैरिटी कमिश्नर ने जैन ट्रस्ट की प्रमुख संपत्ति की बिक्री रद्द करने का आदेश...

मुंबई : महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने गुरुवार को पुणे में एक जैन ट्रस्ट की एक प्रमुख संपत्ति की बिक्री रद्द करने का आदेश दिया, जो पिछले कुछ दिनों से जैन समुदाय के विरोध के बीच एक बिल्डर को दी गई थी। कमिश्नर ने ट्रस्ट से डेवलपर को ₹230 करोड़ वापस करने को भी कहा है। चैरिटी कमिश्नर ने जैन ट्रस्ट की संपत्ति के विक्रय विलेख को रद्द करने का आदेश दिया यह घटनाक्रम तब सामने आया जब निर्माण कंपनी गोखले लैंडमार्क्स एलएलपी और सेठ हीराचंद नेमचंद दिगंबर स्मारक ट्रस्ट ने मॉडल कॉलोनी स्थित 3.5 एकड़ की संपत्ति से संबंधित विक्रय विलेख को रद्द करने की इच्छा व्यक्त की, जहाँ वर्तमान में एक बोर्डिंग हाउस और एक जैन मंदिर है।

चैरिटी कमिश्नर ने सेठ हीराचंद नेमचंद दिगंबर स्मारक ट्रस्ट को गोखले लैंडमार्क्स एलएलपी के साथ समझौता करने की अनुमति देने वाले अपने अप्रैल 2025 के आदेश को रद्द कर दिया। आदेश में कहा गया है, ''गोखले लैंडमार्क्स एलएलपी और एसएचएनएसटी के ट्रस्टी 10 अक्टूबर, 2025 की बिक्री विलेख और पावर ऑफ अटॉर्नी को रद्द करने के लिए उचित कदम उठाएँगे। ये उपाय जल्द से जल्द किए जाएँगे। बिक्री विलेख रद्द होने पर, ट्रस्टियों को बिक्री मूल्य की पूरी राशि गोखले लैंडमार्क्स को वापस करनी होगी।''

यह संपत्ति पुणे स्थित गोखले लैंडमार्क्स एलएलपी ने इस साल की शुरुआत में सेठ हीराचंद नेमचंद मेमोरियल ट्रस्ट से ₹311 करोड़ में खरीदी थी, जिसमें से ₹230 करोड़ का भुगतान किया गया था, जबकि शेष राशि छात्रावास के पुनर्विकास के लिए थी। चैरिटी कमिश्नर ने पिछले हफ्ते इस सौदे पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। जैन समुदाय के सदस्यों ने पुणे और महाराष्ट्र के अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें ट्रस्टियों पर डेवलपर का पक्ष लेने और सौदे को आगे बढ़ाते हुए धर्मार्थ भूमि से संबंधित मानदंडों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। गोखले कंस्ट्रक्शन्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विशाल गोखले ने कहा, ''जैन समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए, मैंने इस परियोजना से हटने का फैसला किया है। सेठ हीराचंद नेमचंद दिगंबर जैन बोर्डिंग ट्रस्ट के न्यासियों ने भी इस फैसले पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

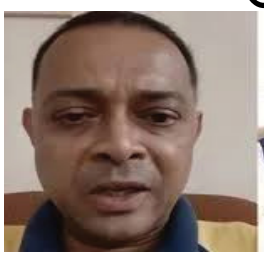

मुंबई: 'स्वच्छ मॉनिटर' के ठेकेदार रोहित आर्य को 2 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं मिला था

मुंबई: पवई बंधक कांड के आरोपी रोहित आर्य की मौत के बाद नई जानकारी सामने आई है। रोहित शिक्षा विभाग से जुड़े एक प्रोजेक्ट 'स्वच्छ मॉनिटर' के ठेकेदार थे। आरोप है कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के करीब 2 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं मिला था, जिसके चलते उन्होंने कथित तौर पर बच्चों को बंधक बनाया था। पुलिस की गोली का शिकार होकर गुरुवार को उनकी मौत हो गई। रोहित आर्य मूल रूप से नागपुर के रहने वाले थे और वहां एक प्रोफेसर के तौर पर काम करते थे। वर्तमान में वे चेंबूर इलाके में रह रहे थे।

साल 2023 में रोहित को शिक्षा विभाग से 'स्वच्छ मॉनिटर' नाम की एक योजना का ठेका मिला था। रोहित का दावा था कि इस प्रोजेक्ट के लिए उन्हें लगभग 2 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया था।

पूर्व मंत्री ने इस दावे का खंडन किया

हालांकि, तत्कालीन शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने इस दावे का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने रोहित आर्य को चेक के माध्यम से भुगतान कर दिया था।

इस घटना को लेकर विपक्ष ने शिंदे सरकार के मंत्रियों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। सूत्रों के अनुसार, रोहित आर्य ने मंत्री के बंगले के बाहर भूख हड़ताल भी की थी। ऐसा माना जा रहा है कि इसी उपेक्षा और मानसिक तनाव के कारण उन्होंने 'सिस्टम से सीधी बातचीत' करने के लिए बच्चों को अगवा करने की योजना बनाई। इस दौरान वे पुलिस की गोली का शिकार हो गए और उनकी मौत हो गई।

रोहित पर आरोप- कुछ बच्चों से सीधे फीस वसूली थी

घटना के बाद एक न्यूज चैनल से फोन पर बात करते हुए दीपक केसरकर ने कहा, 'रोहित आर्य स्वच्छ मॉनिटर नाम की योजना चला रहे थे। उन्होंने सरकारी अभियान में हिस्सा लिया था। विभाग का कहना था कि उन्होंने कुछ बच्चों से सीधे फीस वसूली थी, जबकि रोहित का कहना था कि उन्होंने ऐसी कोई फीस नहीं ली। उन्हें विभाग से बातचीत कर मामला सुलझाना चाहिए था। बच्चों को इस तरह बंधक बनाना गलत है।'

रिटायर्ड बुजुर्ग की डिजिटल अरेस्ट के बाद सदमे में मौत... ठगों ने CBI अधिकारी बनकर मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया, ₹1.20 करोड़ ट्रांसफर कराए

पुणे : पुणे में रहने वाले 83 साल के रिटायर्ड सरकारी अधिकारी की डिजिटल अरेस्ट के बाद गुरुवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। कुछ हफ्ते पहले ही साइबर अपराधियों ने उनके साथ करीब 1.20 करोड़ रुपए की ठगी की थी। दरअसल, अगस्त में बुजुर्ग को फोन आया कि कॉलर मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन से बोल रहा है। कॉलर ने कहा कि बुजुर्ग का नाम बड़े बिजनेसमैन नरेश गोयल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया है। हालांकि, बुजुर्ग ने इन आरोप से इनकार किया, लेकिन फिर उन्हें वीडियो कॉल पर जोड़ा गया। वीडियो कॉल पर दो लोगों ने खुद को क्ब्रर

अधिकारी विजय खन्ना और CBI अधिकारी दया नायक बताया। उन्होंने बुजुर्ग और उनकी पत्न ी को धमकाया कि दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद दंपती को घंटों वीडियो कॉल पर रखा गया और कहा गया कि वे डिजिटल अरेस्ट में हैं। जांच के बहाने रकम ट्रांसफर कराई ठगों ने बैंक खातों की जांच करने का बहाना बनाया और अगस्त 16 से 17 सितंबर के बीच दंपति से करीब 1.20 करोड़ रुपए अलग-अलग खातों में जमा करा लिए। उन्होंने कहा कि नाम साफ होने के बाद पैसे लौटा दिए जाएंगे। जब दंपति को शक हुआ तो साइबर पुलिस ने उन्हें ऋक्षक्र दर्ज कराने को कहा। दंपति ने कहा कि वे अपनी बेटी के विदेश से आने के बाद ही शिकायत करेंगे। हफ्ते भर बाद पत्नी और बेटी पुलिस के पास पहुंचीं और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके कुछ दिन बाद बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

दहिसर टोल प्लाजा को स्थानांतरित करने का निर्णय खारिज

मुंबई : दहिसर में यातायात जाम से जूझ रही सड़कों को सुगम बनाने की योजना को झटका देते हुए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के उस फैसले को खारिज कर दिया है जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग के वसई खंड पर स्थित टोल प्लाजा को वसोर्वा ब्रिज के पास किसी स्थान पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया था। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने दहिसर टोल प्लाजा स्थानांतरण योजना को खारिज किया 9 सितंबर को, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जो शहरी विकास मंत्री और एमएसआरडीसी मंत्री भी हैं, ने मार्ग पर यातायात की भीड़ को कम करने के लिए टोल प्लाजा को 2 किलोमीटर दूर, वसोर्वा ब्रिज के पास किसी स्थान पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया था। अब, दहिसर टोल नाका बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आता है, लेकिन अगर इसे आगे स्थानांतरित किया जाता है, तो यह वसई विरार सिटी नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आ जाएगा।

एमएसआरडीसी ने 22 सितंबर को एनएचएआई को पत्र लिखकर वसोर्वा ब्रिज से आगे टोल बूथों को

स्थानांतरित करने की अनुमति मांगी थी। गुरुवार को, राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार एनएचएआई के मुंबई कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, ''उचित जाँच के बाद, एनएचएआई के सक्षम प्राधिकारी ने टोल प्लाजा के स्थानांतरण पर सहमति नहीं जताई।'' पोस्ट में बताया गया कि एमआरएसडीसी का प्रस्ताव भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल शुल्क के निर्धारण और संग्रहण को नियंत्रित करने वाले नियमों के अनुरूप नहीं है, और यह बात एमएसआरडीसी को बता दी गई है।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने 13 अगस्त को दहिसर टोल प्लाजा के अपने दौरे के दौरान, दहिसर में वाहनों की भीड़भाड़ को कम करने के लिए टोल प्लाजा को स्थानांतरित करने की योजना की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि इस स्थानांतरण का उद्देश्य स्थानीय निवासियों की शिकायत का समाधान करना है, जिन्होंने कहा था कि दहिसर टोल प्लाजा के कारण क्षेत्र में यातायात बाधित हो रहा है। दिवाली तक टोल बूथों को स्थानांतरित करने की योजना थी।

मौजूदा यातायात की भीड़भाड़ को कम करने के अलावा, इस स्थानांतरण की योजना इसलिए भी बनाई गई थी क्योंकि मेट्रो लाइन 9 का काम लगभग पूरा होने वाला था। चूँकि मेट्रो का एक स्टेशन टोल प्लाजा के पास है, इसलिए लाइन चालू होने के बाद, इलाके के आसपास यातायात की भीड़भाड़ बढ़ने की उम्मीद है। हालाँकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित कई नेताओं ने टोल नाके के स्थानांतरण को सरनाइक का एक राजनीतिक कदम माना और इसका विरोध किया। इस मामले पर टिप्पणी के लिए एनएचएआय, एमएसआरडीसी के अधिकारियों और सरनाइक से संपर्क नहीं हो सका।

मुंबईः एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई!

बैंकॉक से भारत आए विदेशी यात्री के बैग में दो सिलवरी गिबन यानी लंगूर बरामद

मुंबईः मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच के दौरान कस्टम विभाग ने बैंकॉक से भारत आए विदेशी यात्री के बैग में दो सिलवरी गिबन यानी लंगूर बरामद किए। लंगूर के साथ ही विदेशी यात्री को कस्टम विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है और आगे की पूछताछ जारी है। दरअसल, कस्टम विभाग की टीम ने यात्री को गुप्त जानकारी के आधार पर पकड़ा है। जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले मलेशिया गया था और वहां से बैंकॉक गया। वहां एक सिंडिकेट मेंबर ने उसे यह बैग सौंपा जिसे भारत में डिलीवर करना था। इससे पहले कस्टम विभाग ने कार्रवाई करते हुए बैग में रखे सिलवरी गिबन

को कब्जे में ले लिया है।

क्या बोले अधिकारी?

एक अधिकारी ने बताया कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर यात्री को रोका गया। उसके सामान की जांच के दौरान, हमें एक ट्रॉली बैग के अंदर एक टोकरी में छिपे हुए दो गिबन मिले, एक दो महीने का और दूसरा चार महीने का। यात्री को सीमा शुल्क अधिनियम और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है।

एक जिंदा एक की मौत

बैंकॉक से आ रहे एक यात्री के पास से दो लुप्तप्राय सिल्वरी गिबन जब्त किए। दोनों बैग के भीतर एक टोकरी में छिपाकर रखा हुआ था। इसमें से एक की मौत हो चुकी थी, जबकि एक जिंदा है। कस्टम विभाग ने यात्री को गिरफ्तार करने के साथ कस्टम्स ऐक्ट, 1962 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत आगे की जांच शुरू कर दी है।

क्या होता है सिलवरी गिबन

सिलवरी गिबन एक प्रकार का वानर है जो दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है। सिलवरी गिबन इंडोनेशिया के जावा द्वीप का मूल निवासी है। आईयूसीएन द्वारा इसे ''लुप्तप्राय'' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, क्योंकि जंगल में इसकी संख्या 2,500 से भी कम बची है। यह अपनी चांदी-रंगी फर और लंबी भुजाओं के लिए जाना जाता है। इसकी नीली-भूरी आंखें बहुत आकर्षक होती हैं।

नशे में ड्यूटी कर रहे एमएसआरटीसी के सात कर्मचारी निलंबित...

मुंबई : महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के सात कर्मचारियों को कथित तौर पर कार्य के दौरान शराब के नशे में होने को लेकर निलंबित कर दिया गया। यहां एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राज्य परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तीन चालक, एक परिचालक, दो मैकेनिकल कर्मचारी और एक खलासी ये सात लोग अलग-अलग डिपो में काम करते हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''कई शिकायतों के बाद मंत्री के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए एमएसआरटीसी ने 28 अक्टूबर को ड्यूटी पर तैनात कर्मियों द्वारा शराब के सेवन का पता लगाने के लिए राज्यव्यापी औचक निरीक्षण अभियान चलाया और 719 चालकों, 524 परिचालकों तथा 458 मैकेनिकल कर्मचारियों सहित कुल 1,701 कर्मचारियों का 'ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट' परीक्षण किया गया।'' सरनाईक ने कहा कि एमएसआरटीसी को नियमित रूप से ऐसी जांच करनी चाहिए और नशे की हालत में ड्यूटी करने वालों के खिलाफ बिना किसी दया के सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद नाबालिग ने लगाई आग, लड़की की मौत!

ठाणे : कपूरबावड़ी इलाके में हुई एक दिल दहला देने वाली घटना ने शहर को हिला दिया है। 17 वर्षीय नाबालिग लड़के ने अपनी गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद उसे आग के हवाले कर दिया, जिससे लड़की 80 प्रतिशत तक जल गई थी। उसका इलाज मुंबई के केईएम अस्पताल में चल रहा था, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद कपूरबावड़ी पुलिस ने आरोपी नाबालिग के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेज दिया है। पुलिस

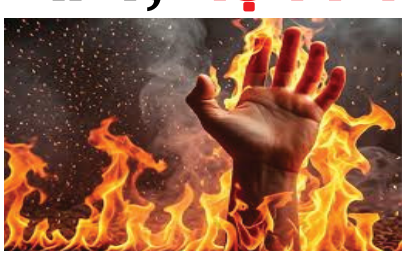

के अनुसार, मृतक 17 वर्षीय लड़की अपने परिवार के साथ कपूरबावड़ी क्षेत्र में रहती थी। पहले वह मुंबई के चेंबूर इलाके में रहती थी, जहां उसकी पहचान एक लड़के से हुई थी। कुछ दिन पहले भाईदूज के मौके पर दोनों में झगड़ा हुआ था। इसी दौरान लड़के ने धमकी दी थी कि वह उसे जिंदा नहीं छोड़ेगा। 24 अक्टूबर को जब लड़की अपने घर में अकेली थी, तब आरोपी वहां पहुंचा और उस पर आग लगा दी। स्थानीय लोगों ने धुआं देखकर लड़की की मां को सूचना दी और उसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पहले आरोपी को हिरासत में लिया गया था, लेकिन अब लड़की की मौत के बाद उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

नवंबर से शुरू होगा ठाणे रिंग मेट्रो प्रोजेक्ट... 2029 तक यात्रियों के लिए होगा तैयार

ठाणे : ठाणे शहर की ट्रैफिक समस्या को दूर करने और सार्वजनिक परिवहन को और आधुनिक बनाने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का महत्वाकांक्षी ठाणे रिंग मेट्रो प्रोजेक्ट नवंबर महीने से शुरू होने जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (महा मेट्रो) इस प्रोजेक्ट को कार्यान्वित करेगी। 12,200 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट 2029 तक यात्रियों के लिए सेवा में आने की संभावना है।

बता दें कि 29 किलोमीटर लंबे इस मेट्रो मार्ग में से 26 किलोमीटर हिस्सा ऊंचाई पर (एलीवेटेड) और 3 किलोमीटर हिस्सा भूमिगत बनाया जाएगा। इस पूरे मार्ग में कुल 22 स्टेशन होंगे, जिनमें से दो स्टेशन भूमिगत रहेंगे। इनमें से एक स्टेशन सीधे ठाणे रेलवे स्टेशन से जुड़ा होगा। इस मेट्रो प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य ठाणे के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में शामिल वागले एस्टेट, मानपाड़ा, राबोडी और ठाणे जंक्शन को एक-दूसरे से जोड़ना है, जिससे शहर में यात्रा करना तेज और सुगम हो जाएगा। रायला देवी, वागले सर्कल, लोकमान्य नगर बस डेपो, गांधी नगर, डॉ. काशीनाथ घाणेकर नाट्यगृह, मानपाड़ा, विजयनगरी, बालकुम नाका, शिवाजी चौक और ठाणे जंक्शन जैसे प्रमुख स्टेशन इस प्रोजेक्ट में शामिल होंगे। इस रिंग मेट्रो में छह डिब्बों की ट्रेनें चलेंगी, जिनमें रोजाना लगभग 7.61 लाख यात्री सफर कर सकेंगे।

संपर्क कार्यालय : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com